Innovation Takes Flight National Record by Skill School @ SPSEC!

7.266 किमी ड्रोन उड़ा रुद्राक्ष ने इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज कराया नाम

कानपुर। सर पदमपत सिंहानिया एजुकेशन सेंटर के 12वीं के छात्र रुद्राक्ष ने ड्रोन नवाचार के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। ड्रोन उड़ान की सबसे लंबी दूरी तय करने पर उनका नाम इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज हुआ है।

छात्र रुद्राक्ष।

मोतीझील परिसर स्थित नगर निगम ऑफीसर्स कॉलोनी निवासी छात्र रुद्राक्ष ने एफपीवी ड्रोन को स्वयं डिजाइन किया और 7.266 किलोमीटर की दूरी तक 105 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से सफलतापूर्वक उड़ाकर यह रिकॉर्ड बनाया। रुद्राक्ष ने बताया कि 15 अगस्त को कल्याणपुर एरिया में ड्रोन को उड़ाया था। 7.266 किलोमीटर जाने और आने में कुल 18.6 मिनट का समय लगा। रुद्राक्ष ने बताया कि ड्रोन का निर्माण गूगल और अन्य सोर्स की मदद से स्वयं किया है।

इसकी लंबाई 290, चौड़ाई 245 और ऊंचाई 105 एमएम है। इसका वेट करीब 1.6 किलो है। उन्होंने बताया कि इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स ने 28 अगस्त को आधिकारिक रूप से मान्यता दी। संस्था की ओर से रुद्राक्ष को प्रमाण पत्र, सम्मान पत्र और अचीवर्स बैच दिया गया। (ब्यूरो)

Innovation Takes Flight National Record by Skill School @ SPSEC!

सात किमी ड्रोन उड़ा बनाया नेशनल रिकार्ड

जासं, कानपुर : तकनीकी क्षेत्र में तेजी से हो रहे विकास के बीच 17 वर्षीय रुद्राक्ष ने ड्रोन नवाचार के क्षेत्र में एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। रूद्राक्ष ने 105 किमी प्रति घंटे की गति से 7.266 किमी ड्रोन उड़ाकर नेशनल रिकार्ड बनाया है।

सर पदमपत सिंहानिया एजुकेशन सेंटर, कमला नगर में 12वीं कक्षा के छात्र रुद्राक्ष ने एफपीवी (फर्स्ट पर्सन व्यू) ड्रोन को स्वयं डिजाइन और तैयार किया। इस ड्रोन को 7.266 किलोमीटर की दूरी तक 105 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से उड़ाया। इस उपलब्धि को इंडिया बुक आफ रिकाड्र्स (आइबीआर) ने 28 अगस्त 2025 को प्रमाण पत्र,

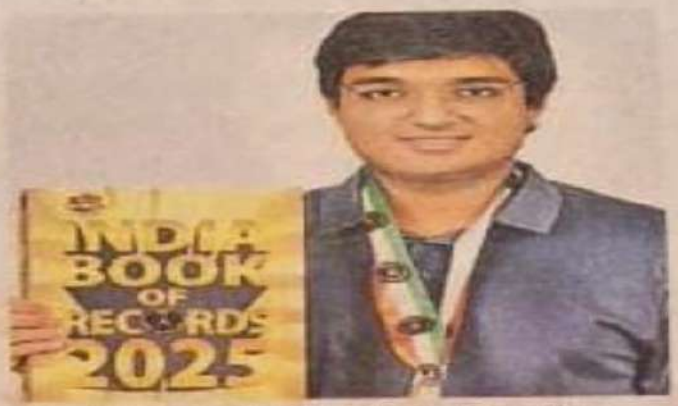

प्रमाणपत्र और अचीवर्स बैज दिखाते छात्र रुद्राक्ष ● स्वयं

सम्मान पत्र और अचीवर्स बैज प्रदान किया। नगर निगम में मुख्य पशु चिकित्साधिकारी व पिता डा. आरके निरंजन, प्रधानाचार्य भावना गुप्ता व अन्य शिक्षकों ने रुद्राक्ष को बधाई दी। (जासं)

Innovation Takes Flight National Record by Skill School @ SPSEC!

सत्रह वर्षीय रूद्राक्ष पटेल ने ड्रोन उड़ान में बनाया नेशनल रिकॉर्ड

ललितपुर। तकनीकी क्षेत्र में तेजी से हो रहे विकास के बीच सत्रह वर्षीय छात्र रूद्राक्ष पटेल ने ड्रोन नवाचार के क्षेत्र में एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है व रूद्राक्ष ने ड्रोन उड़ान की सबसे लंबी दूरी तय कर नेशनल रिकॉर्ड स्थापित किया है।

मिले प्रशस्ति पत्रों के साथ रूद्राक्ष

बदउंआ के मूल निवासी और सर पदमपत सिंघानिया एजुकेशन सेंटर के कक्षा 12 के छात्र रूद्राक्ष ने ड्रोन को पूरी तरह स्वयं डिजाइन और तैयार किया व यह अब तक का सबसे छोटा और सबसे कम वजन का व इसकी लंबाई 290 एमएम, चौड़ाई 245 और ऊंचाई मात्र 105 है, उन्होंने इस ड्रोन को 7.266 किलोमीटर की दूरी तक 105 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से सफलतापूर्वक उड़ाकर यह ऐतिहासिक रिकॉर्ड बनाया है। रुद्राक्ष का कहना है कि अगले 8 महीने के अंदर वह 107 से बढ़ाकर 300 किलोमीटर स्पीड का अपना ड्रोन बनाकर इस क्षेत्र में पहला नंबर बरकरार रखेंगे व संस्था की ओर से रूद्राक्ष को प्रमाण पत्र, सम्मान पत्र और अचीवर्स बैज प्रदान किया गया।

रूद्राक्ष को इस असाधारण उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है एवं रूद्राक्ष को उनके दादा रामदास निरंजन निवासी ग्राम बदउँआ एवं नाना विजय सिंह निरंजन एडवोकेट ने रूद्राक्ष को आशीर्वाद देते हुए उन्हें भविष्य में और भी ऊँचाइयाँ छूने व तकनीकी क्षेत्र में निरंतर प्रगति करने की शुभकामनाएँ दीं हैं।

Innovation Takes Flight National Record by Skill School @ SPSEC!

सत्रह वर्षीय रूद्राक्ष पटेल ने ड्रोन उड़ान में बनाया नेशनल रिकॉर्ड

ललितपुर। तकनीकी क्षेत्र में तेजी से हो रहे विकास के बीच सत्रह वर्षीय छात्र रूद्राक्ष पटेल ने ड्रोन नवाचार के क्षेत्र में एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है व रूद्राक्ष ने ड्रोन उड़ान की सबसे लंबी दूरी तय कर नेशनल रिकॉर्ड स्थापित किया है। बदउंआ के मूल निवासी और सर पदमपत सिंघानिया एजुकेशन सेंटर के कक्षा 12 के छात्र रूद्राक्ष ने ड्रोन को पूरी तरह स्वयं डिजाइन और तैयार किया व यह अब तक का सबसे छोटा और सबसे कम वजन का व इसकी लंबाई 290 एम.एम., चैड़ाई 245 और ऊंचाई मात्र 105 है, उन्होंने इस ड्रोन को 7.266 किलोमीटर की दूरी तक 105 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से सफलतापूर्वक उड़ाकर यह ऐतिहासिक रिकॉर्ड बनाया है। रुद्राक्ष का कहना है कि अगले 8 महीने के अंदर वह 107 से बढ़ाकर 300 किलोमीटर स्पीड का अपना ड्रोन बनाकर इस क्षेत्र में पहला नंबर बरकरार रखेंगे व संस्था की ओर से रूद्राक्ष को प्रमाण पत्र, सम्मान पत्र और अचीवर्स बैज प्रदान किया गया। रूद्राक्ष को इस असाधारण उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है एवं रूद्राक्ष को उनके दादा रामदास निरंजन निवासी ग्राम बदऊँवा एवं नाना विजय सिंह निरंजन एडवोकेट ने रूद्राक्ष को आशीर्वाद देते हुए उन्हें भविष्य में और भी ऊँचाइयाँ छूने व तकनीकी क्षेत्र में निरंतर प्रगति करने की शुभकामनाएँ दीं हैं।

Innovation Takes Flight National Record by Skill School @ SPSEC!

17 वर्षीय रूद्राक्ष पटेल ने ड्रोन उड़ान में बनाया नेशनल रिकॉर्ड

बुन्देलखण्ड बुलेटिन । कोंच / जालौन

तकनीकी क्षेत्र में तेजी से हो रहे विकास के बीच 17 वर्षीय छात्र रूद्राक्ष पटेल ने ड्रोन नवाचार के क्षेत्र में एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। रूद्राक्ष ने ड्रोन उड़ान की सबसे लंबी दूरी तय कर देशभर में एक नेशनल रिकॉर्ड स्थापित किया है। बदउआ कोंच जिला जालौन के मूल निवासी और सर पदमपत सिंघानिया एजुकेशन सेंटर, कानपुर के कक्षा 12 के छात्र रूद्राक्ष ने FPV (First Person View) ड्रोन को पूरी तरह स्वयं डिजाइन और तैयार किया। यह अब तक का सबसे छोटा और सबसे कम वजन का इसकी लंबाई 290mm, चौड़ाई 245mm, और ऊंचाई मात्र 105mm है। उन्होंने इस ड्रोन को 7.266 किलोमीटर की दूरी तक 105 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से सफलतापूर्वक उड़ाकर यह ऐतिहासिक रिकॉर्ड बनाया। रुद्राक्ष का कहना है कि अगले 8 महीने के अंदर वह 107 से बढ़ाकर 300 किलोमीटर स्पीड का अपना ड्रोन बनाकर इस क्षेत्र में भारत में अपना पहला नंबर बरकरार रखेगा।

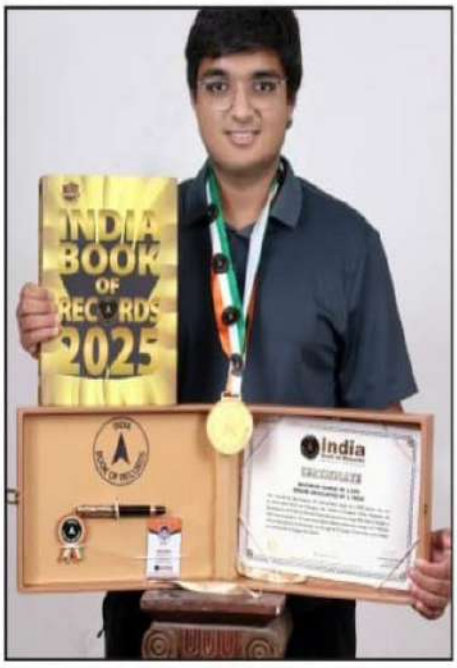

इस उपलब्धि को इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स (ड्ढ्क्क) ने 28 अगस्त 2025 को आधिकारिक रूप से मान्यता दी। संस्था की ओर से रूद्राक्ष को प्रमाण पत्र, सम्मान पत्र और अचीवर्स बैज प्रदान किया गया।रूद्राक्ष के पिता डॉ. आर. के. निरंजन, जो वर्तमान में कानपुर नगर निगम में C.V.O. के पद पर कार्यरत हैं, और मां श्रीमती मंजूलता ने अपने पुत्र की इस सफलता पर गर्व व्यक्त किया।

विद्यालय की प्रिंसिपल भावना गुप्ता और अन्य शिक्षकगणों ने भी रूद्राक्ष को इस असाधारण उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई दी। रूद्राक्ष ने इससे पहले भी विभिन्न आकारों और क्षमताओं वाले कई ड्रोन स्वयं बनाकर उड़ाए हैं। उसके दादा श्री रामदास निरंजन निवासी ग्राम बदऊँवा (कोंच) और नाना श्री विजय सिंह निरंजन एडवोकेट निवासी धनौरा(कोंच) ने रूद्राक्ष को आशीर्वाद देते हुए उन्हें भविष्य में और भी ऊँचाइयाँ छूने व तकनीकी क्षेत्र में निरंतर प्रगति करने की शुभकामनाएँ दीं।

Innovation Takes Flight National Record by Skill School @ SPSEC!

सफलता | सर पदमपत सिंहानिया के छात्र का रिकॉर्ड इंडिया बुक ऑफ रिकाइर्स में 28 अगस्त को दर्ज किया गया

17 साल के रुद्राक्ष के ड्रोन ने भरी लंबी उड़ान

उपलब्धि

कानपुर, प्रमुख संवाददाता। 17 साल के रुद्राक्ष के ड्रोन ने सबसे लंबी उड़ान भरकर राष्ट्रीय स्तर पर रिकॉर्ड बनाया है। सर पदमपत सिंहानिया एजुकेशन सेंटर में 12वीं के छात्र ने 45 दिन में ड्रोन विकसित किया है जो 7.266 किमी तक उड़ान भरने में सक्षम है। यह रिकॉर्ड इंडिया बुक ऑफ रिकाइर्स में 28 अगस्त को दर्ज किया गया है। जिसका सर्टिफिकेट, सम्मान पत्र व अचीवर्स बैच भी रुद्राक्ष को मिल गया है। उन्होंने बताया कि अभी तक टीन कैटेगरी में चार किमी की उड़ान भरने वाले ड्रोन का रिकॉर्ड था।

1.6 किलो का ड्रोन आपदा में पहुंचाएगा 2.50 किलो पेलोड

नगर निगम के मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. आरके निरंजन के बेटे रुद्राक्ष ने बताया कि शॉर्ट रेंज वाले कई ड्रोन विकसित किए हैं। नेशनल रिकॉर्ड की जानकारी मिलने पर करीब दो माह पहले हाई रेंज वाले ड्रोन को तैयार करने का काम शुरू किया। 45 दिन की मेहनत के बाद ड्रोन तैयार हो गया। जिसका सफल परीक्षण कल्याणपुर में किया गया। रुद्राक्ष ने बताया कि ड्रोन को पूरी तरह खुद डिजाइन कर तैयार किया है। यह ड्रोन 105 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से 7.266 किमी की दूरी तक उड़ान भर सकने में सक्षम है। उन्होंने बताया कि ड्रोन में कैमरे और सेंसर भी लगाए गए हैं। जो सर्विलांस कर दुश्मनों की हरकतों की फोटो और वीडियो जीपीएस के माध्यम से कंट्रोल रूम तक भेजने में सक्षम है। विद्यालय की प्रिंसिपल भावना गुप्ता व अन्य शिक्षकों ने भी रुद्राक्ष की इस उपलब्धि पर बधाई दी। पिता डॉ. आरके निरंजन ने कहा कि बेटे के अनुसंधान व नवाचार पर गर्व है। बेटे का उद्देश्य भारतीय सेना को मजबूती प्रदान करना है।

■ सर पदमपत सिंहानिया एजुकेशन सेंटर के छात्र ने 45 दिन में विकसित किया ड्रोन

रुद्राक्ष को किया गया सम्मानित।

इन प्रमुख तथ्यों को भी जानें

ड्रोन का वजन
1.60 किलो
पेलोड का वजन
2.50 किलो
ड्रोन का उपयोग
सर्विलांस व आपदा राहत
ड्रोन की उड़ान
7.266 किमी
ड्रोन की रफ्तार
105 किमी प्रति घंटा

Innovation Takes Flight National Record by Skill School @ SPSEC!

रुद्राक्ष ने 45 दिन में 7 किमी की दूरी तय करने वाला ड्रोन बनाकर उड़ाया

एसपीएसईसी के रुद्राक्ष ने ड्रोन बनाकर इंडिया बुक ऑफ रिकाड्र्स अवॉर्ड जीता

(आज समाचार सेवा)

कानपुर, 8 अक्टूबर। सर पदमपत सिंहानिया एजुकेशन सेंटर के 12वीं के छात्र रुद्राक्ष ने ऐसा ड्रोन डेवलप किया है जो कि करीब 4.5 किमी की ऊंचाई पर उड़ रहा है और 7 किमी की दूरी भी तय कर रहा है। यह करिश्मा उसने 17 की उम्र में कर दिखाया है। उसकी इस प्रतिभा को पहचान कर इंडिया बुक ऑफ रिकार्ड ने मैक्सिमम रेंज ऑफ ए एफपीवी ड्रोन डेवलप बाई ए टीन दिया है। यह अवॉर्ड हासिल करके इस किशोर ने शहर, स्कूल व अभिभावक का नाम रोशन किया है। अभी तक इस हुनरमंद छात्र ने करीब 14 ड्रोन डेवलप किए हैं। मूल रूप से जालौन बदऊंवा के रहने वाले कानपुर नगर निगम के पशु चिकित्सक डॉ. आर के निरंजन के पुत्र रुद्राक्ष सर पदमपत सिंहानिया एजुकेशन सेंटर में क्लास 12वीं का छात्र है। छात्र रुद्राक्ष ने बताया कि जब वह झांसी में क्लास 6वीं में पढ़ता था तभी से उसे ड्रोन देखना व उड़ाना अच्छा लगने लगा था। इसके बाद उसकी लगातार रुचि बढ़ती गई। सोशल मीडिया व यू ट्यूब देखकर उसने ड्रोन की बनाने की तकनीकि सीखना शुरू कर दिया। अभी तक वह करीब 14 ड्रोन डेवलप कर चुकी है। आईआईटी की तकनीकि महाकुंभ टेककृति 2025 में भी इस प्रतिभाशाली छात्र ने भाग लेकर ड्रोन उड़ाया था। हाल ही में इस ड्रोन तकनीकि में महारथ हासिल करने की दिशा में काम करने वाले रुद्राक्ष को लखनऊ की कलाम लैब में तीन महीने का इंटर्नशिप कोर्स करने का अवसर मिला। इस हुनरमंद छात्र ने 45 दिन में ही एक शानदार ड्रोन बनाकर उड़ा दिया। इस छात्र की प्रतिभा देखकर कलाम लैब के विशेषज्ञ हतप्रभ रह गए। कलाम लैब में जो ड्रोन विकसित किया उसकी कीमत करीब सवा लाख रुपए आई थी। इस बीच इंडिया बुक ऑफ रिकार्ड की टीम भी रुद्राक्ष के संपर्क में आ गई। टीम ने बीती 15 अगस्त को रुद्राक्ष के ड्रोन को कल्याणपुर की एक हाईराइज इमारत से उड़वाकर उसका पूरा डाटा एकत्र कर लिया। इसके बाद नेशनल लेवल पर गहन जांच पड़ताल करने के बाद इंडिया बुक ऑफ रिकार्ड्स ने इस किशोर को इंडिया का बेस्ट ड्रोन बनाने का अवॉर्ड दे दिया। इस ड्रोन का वजन करीब एक किलो 600 ग्राम है। यह करीब ढाई किलो पेलोड लेकर आसमान में 7 किमी तक जा सकता है। एक बार फुल चार्ज होने पर यह ड्रोन 20 से 30 मिनट तक हवा में उड़ेगा। करीब 4.5 किमी की ऊंचाई तक यह आसानी से चला जाता है। अहम बात यह है कि हवा में उड़ने के बाद 100 मीटर तक तो इसकी आवाज आप सुन सकते है इसके बाद इसकी आवाज भी सुनाई नहीं देगी।स्कूल प्रिंसिपल भावना गुप्ता ने प्रतिभावान छात्र रुद्राक्ष की प्रशंसा करते हुए बधाई दी।

अवार्ड के साथ छात्र रुद्राक्ष व प्रिंसिपल भावना गुप्ता।

आईआईटी की टेककृति 2025 में भी ड्रोन उड़ा कर अपनी प्रतिभा दिखाई थी, अभी तक छात्र 14 ड्रोन डेवलप कर उड़ा चुका है